संस्कृत विभाग

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

B.A. (Hons.) in Sanskrit

पाठ्यक्रम संरचना

(Academic Year 2017-18 Onwards)

सेमेस्टर	पत्र क्रम	विवरण	
1.	प्रथम पत्र	**संस्कृत नीति साहित्य**(चाणक्यनीतिः, नीतिशतकम्)	
	द्वितीय पत्र	**व्यावहारिक संस्कृत (लिखित एवं मौखिक)**	
2.	तृतीय पत्र	**संस्कृत पद्यकाव्य** (रघुवंशमहाकाव्यम्-प्रथम सर्ग, किरातार्जुनीयम्-प्रथम सर्ग)	
	चतुर्थ पत्र	**संस्कृत गद्यकाव्य**(कादम्बरी-शुकनाशोपदेशः, पञ्चतन्त्र-काकोलूकीयम्)	
3.	पञ्चम पत्र	**संस्कृत व्याकरण**	
	षष्ठ पत्र	**गीता में आत्म प्रबन्धन**	
	सप्तम पत्र	**संस्कृत नाटक**(अभिज्ञानशाकुन्तलम्, नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली)	
4.	अष्टम पत्र	**आधुनिक संस्कृत साहित्य : पद्यकाव्य**	
	नवम पत्र	**भारतीय वैज्ञानिक निधि**	
	दशम पत्र	**संस्कृत साहित्य का इतिहास**	
5.	एकादश पत्र	**संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना**	
	द्वादश पत्र	**भारतीय सामाजिक संस्थाएं एवं राजशास्त्र**	
	त्रयोदश पत्र	**भारतीयदर्शनविमर्श**(भारतीय दर्शन परिचय, तर्कसङ्ग्रह)	
	चतुर्दश पत्र	**निबन्ध, अनुवाद, छन्द, रचनात्मक लेखन**	
	पञ्चदश पत्र	वैकल्पिक पत्र (०१) **संस्कृत रङ्गमञ्च**	
		वैकल्पिक पत्र (०२) **संस्कृत पत्रकारिता**	
		वैकल्पिक पत्र (०३) **भाषाविज्ञान**	
6.	षोडश पत्र	**आधुनिक संस्कृत साहित्य : गद्यकाव्य एवं नाटक**	
	सप्तदश पत्र	**भारतीय पुरालिपि एवं अभिलेखशास्त्र**	
	अष्टादश पत्र	**वैदिकसाहित्य**	
	एकोनविंश पत्र	**संस्कृतसाहित्यशास्त्रएवं समालोचना**	
	विंश पत्र	वैकल्पिक पत्र (०१) **संस्कृत साहित्य में तकनीकी विज्ञान**	
		वैकल्पिक पत्र (०२) **फ़ारसी एवं संस्कृत का अन्तःसम्बन्ध**	
		वैकल्पिक पत्र (०३) **सङ्गणकीय संस्कृत**	

संस्कृत विभाग

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

B.A. (Hons.) in Sanskrit

पाठ्यक्रम विवरण

सेमेस्टर-01: प्रथम पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
	संस्कृत नीति साहित्य(चाणक्यनीति:, नीतिशतकम्)	
इकाई ०१:	चाणक्यनीति श्लोक १-२५ अनुवाद, व्याख्या,व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न	२०
इकाई ०२:	चाणक्यनीति श्लोक २६-५० अनुवाद, व्याख्या,व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न	२०
इकाई ०३:	नीतिशतकम् श्लोक १-२५ अनुवाद, व्याख्या,व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न	२०
इकाई ०४ :	नीतिशतकम् २६-५०-अनुवाद, व्याख्या एवं व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, विमलचन्द्रिकासंस्कृत टीका व हिन्दी व्याख्या सहित, विष्णुदत्त शर्मा (व्या.), ज्ञानप्रकाश, मेरठ, संवत् २०३४
2. नीतिशतकम् (संस्कृतटीका, हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या, अनुवाद सहित), तारिणीश झा (व्या.), रामनारायणलाल वेणीमाधव इलाहाबाद, १९७६
3. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय (व्या.), चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी, १९८२
4. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, बाबूराम त्रिपाठी (सम्पा.), महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, १९८६
5. भर्तृहरिविरचितम् नीतिशतकम् (हिन्दी संस्कृत व्याख्या सहित), डॉ. राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, १९९८
6. भर्तृहरि:शतकत्रयम्, पु. गोपीनाथ, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, २०१०
7. Nitishatakam of Bhartrihari, M. R. Kale (Ed.), Motilal Banarsidass, Delhi
8. Chanakya Neeti, B.K. Chaturvedi, MLBD, Delhi,
9. Chanakya Niti Darpana, Ed. by Gunjeswar Chaudhury, Chowkhamba Sanskrit Pratisthan, Varanasi
10. Chanakya in You, Radhakrishnan Pillai, Jaico books
11. Viduraniti (from Mahabharata-Udyoga Parva), Hindi Translated by Gunjeswar Chaudhury, Chowkhamba Sanskrit Pratisthan, Varanasi

सेमेस्टर-01: द्वितीय पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
व्यावहारिक संस्कृत (लिखित एवं मौखिक)		
इकाई ०१:	वाग्व्यवहार-शब्दरूप, धातुरूप, संयोजक; कारक पर आधारित वाक्य संरचना एवं सामान्य व्यवहार में प्रयोग	२०
इकाई ०२:	भ्वादिगण की धातुओं के आधार पर वाक्य संरचना एवं सामान्य व्यवहार में प्रयोग (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्ग लकारों में परस्मैपद प्रयोग)	२०
इकाई ०३:	अव्यय- उपसर्ग, कारक एवं विभक्ति आधार पर वाक्य संरचना एवं सामान्य व्यवहार में प्रयोग. (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्ग लकारों में)	२०
इकाई ०४:	संस्कृत वार्तालाप एवं सम्भाषण का अभ्यास	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

१. सम्भाषणम् (प्रथमा दीक्षा), वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली
२. वाक्यविस्तरः (प्रथमा दीक्षा), वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली
३. व्यवहारप्रदीपः-प्रथमः भागः (द्वितीया दीक्षा), वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली
४. संस्कृत शिक्षण सरणी , आचार्य रामप्रताप शास्त्री
५. संस्कृत व्यवहार साहस्त्री , संस्कृत भारती ,माता मंदिर गली ,झंडेवालान ,नई दिल्ली
६. स्वयमेव संस्कृत शिक्षणम् , डॉ. जीतराम भट्ट,डॉ. गोस्वामी गिरिधारी लाल शास्त्री प्राच्य विद्या प्रतिष्ठानम्, नई दिल्ली, २०१४
७. लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री (व्या.), मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
८. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर नौटियाल 'हंस', मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
९. प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
१०. संस्कृत सम्भाषण शिक्षक , डॉ.श्रीवत्स शास्त्री , वर्णाश्रम संघ, गुरुकुल प्रभात आश्रम,उत्तर प्रदेश, तृतीय संस्करण २०१६.
११. The Students Gide To sanskrit Composition, V.S. Apte, Chaukh amba Sanskrit Series Office, Varanasi
१२. Higher Sanskrit Grammar, M.R. Kale, Motilal Banarsidass, Delhi

सेमेस्टर-०२: तृतीय पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
संस्कृत पद्यकाव्य (रघुवंशमहाकाव्यम्-प्रथम सर्ग, किरातार्जुनीयम्-प्रथम सर्ग)		
इकाई ०१:	रघुवंशमहाकाव्यम्-प्रथमसर्ग-श्लोक सं.०१-५०, अनुवाद, व्याख्या, व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न	२०
इकाई ०२:	रघुवंशमहाकाव्यम्-प्रथम सर्ग- श्लोक सं. ५१-सर्ग समाप्ति पर्यन्त- अनुवाद , व्याख्या, व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न	२०
इकाई ०३:	किरातार्जुनीयम्-प्रथम सर्ग- श्लोक सं. ०१-२५, अनुवाद, व्याख्या, व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न	२०
इकाई ०४:	किरातार्जुनीयम्-प्रथम सर्ग- श्लोक सं. २६-४६, अनुवाद, व्याख्या, व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. रघुवंशम्-मल्लिनाथ कृत संजीवनी टीका, कृष्णमणि त्रिपाठी (सम्पा.), चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. भारविकृत किरातार्जुनीयम्, जनार्दन शास्त्री (अनु.), मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली
3. महाकवि-भारवि-विरचितम् किरातार्जुनीयम्, डॉ. सावित्री गुप्ता (व्या.), विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, २००२
4. Raghuvansham of Kalidas, C.R. Devadhar (Ed.), Motilal Banarsidass, Delhi
5. Raghuvansham of Kalidas, M.R. Kale, Motilal Banarsidass, Delhi
6. Raghuvansham of Kalidas, Gopal Raghunath Nandargikar (Ed.), Motilal Banarsidass, Delhi
7. Kiratarjuniyam of Bharavi, M.R. Kale (Ed.), Motilal Banarsidass, Delhi

सेमेस्टर-०२: चतुर्थ पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
संस्कृत गद्यकाव्य (कादम्बरी-शुकनाशोपदेश; पञ्चतन्त्र-काकोलूकीयम्)		
इकाई ०१:	कादम्बरी-शुकनाशोपदेश-एवममतिक्रामत्सु से कज्जलमलिनमेव कर्म केवमलुद्वमति पर्यन्त (अनुवाद, व्याख्या, व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	२०
इकाई ०२:	कादम्बरी-शुकनाशोपदेश-तथाहि इयं संवर्धनवारिधारा से भवतीत्येतावदभिधायोपशशाम पर्यन्त (अनुवाद, व्याख्या, व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	२०
इकाई ०३:	पञ्चतन्त्र (तृतीयतन्त्र-काकोलूकीयम्) : काकोलूकवैरकथा,शशकपिञ्जलकथा (अनुवाद , व्याख्या, व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	२०
इकाई ०४:	पञ्चतन्त्र (तृतीयतन्त्र-काकोलूकीयम्) : धूर्तब्राह्मणछागकथा, रथकारवधूकथा (अनुवाद, व्याख्या, व्याकरण विमर्श एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. शुकनाशोपदेश, रामपाल शास्त्री, चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
2. शुकनाशोपदेश, रमाकान्त झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. श्रीविष्णुशर्मप्रणीतं पञ्चतन्त्रम्, श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. The Kadambari of Bana, C.M. Ridding, MLBD, Delhi
5. Panchatantra-Five Wise Lessons, Krishna Dharma, MLBD, Delhi
6. Panchatantra (Translated from the Sanskrit by Arthur W. Ryder, MLBD, Delhi
7. Panchatantra or Gems of Indian Thought, Vijay Narain, Chaukhambha Sanskrit Pratishthan, Varanasi

सेमेस्टर-०३: पञ्चम पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
संस्कृत व्याकरण		
इकाई ०१:	लघुसिद्धान्तकौमुदी :संज्ञाप्रकरण, अच् सन्धि-यण, गुण, अयादि, वृद्धि, पूर्वरूप	२०
इकाई ०२:	लघुसिद्धान्तकौमुदी: हल् एवं विसर्ग सन्धि (श्चुत्व, ष्टुत्व, अनुनासिकत्व, छत्व, जश्त्व, सत्व, उत्व, लोप, रुत्व)	२०
इकाई ०३:	लघुसिद्धान्तकौमुदी : समास प्रकरण	२०
इकाई ०४:	लघुसिद्धान्तकौमुदी : प्रत्यय(निष्ठा, तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, शतृ, शानच्)	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री (व्या.), मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी-भैमी व्याख्या (भाग-१), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
3. व्याकरण चन्द्रोदय (भाग १-३), चारूदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी-प्रकाशिका नाम्नी हिन्दी व्याख्या सहिता, सत्यपाल सिंह, शिवालिक पब्लिकेशन्स, दिल्ली
5. Higher Sanskrit Grammar, M.R. Kale, Motilal Banarsidass, Delhi
6. Laghusiddhantakaumudi (Vol. 01) Kanshiram, Motilal Banarsidass, Delhi

सेमेस्टर-०३ : षष्ठ पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
	गीता में आत्म प्रबन्धन	
इकाई ०१:	मन और उसके कार्य: मन की प्रकृति (३/४२,६/१५,७/४,७/१५,९/ ३,१०/२०,१०/२२), मानसिक विप्रतिपत्ति (१/१,२/६०,२/६७,३/३६-३८,३/४०,१६/२१), मानसिक विप्रतिपत्ति के कारक तत्त्व (२/६२-६३ , १६/२१), कर्म एवं स्वभाव के कारक तत्व (१८/१३-१६)	२०
इकाई ०२:	मन और बुद्धि की दुर्बलता : इन्द्रिय नियमन और बुद्धि का महत्व (२/३.२/४९,५२,५५,६२,६५,६७.४/३८,३९,४२,.१८/३-३२,६३), मन की चंचलता और उसके नियंत्रण के उपाय:(६/११-१४,२५-२६,३४,३६), योगसिद्धि के कारक तत्त्व (३/८,१२,१३.६/३,१६,-१७,३६.१७/८-१०,१४-१९)	२०
इकाई ०३:	कर्म का महत्त्व : आत्मा की प्रकृति और जगत से उसकी भिन्नता (२/१९-२६), ज्ञान में कर्मयोग का अवदान (२/४०-४४,४७-५०) निष्काम कर्मयोग में भक्तियोग का अवदान (१२/१९-२०), लोक संग्रह (३/१८-२५)	२०
इकाई ०४:	देवत्व और चैतन्य का सम्बन्ध (७/१२ ,१०/४,४१,१३/३१-३२ , १८/५१-६६,७८)	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. श्रीमद्भगवद्गीता, हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद सहित, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य , बालगंगाधर तिलक ,१९६५
3. श्रीमद्भगवद्गीता (ग्यारह टीकाओं के साथ), गजानन शम्भु साधले , परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली,२०१०
4. श्रीमद्भगवदगीता-यथारूप, प्रभुपाद, मुंबई
5. The Holy Geeta, Chinmayanand, Chinmaya Publication, Mumbai,2015
6. Essays on Gita, Shri Aurobindo, Shri Aravind Ashram, Pondichery, 1987
7. Managing Oneself (Shrimad Bhagavadgita:Theory and Practice), V.R. Panchmukhi, Panchmukhi Indological Centre, New Delhi, 2001
8. Essence of Shrimad Bhagavadgita: Health and Fitness, N.K. Shrinivasan, Pustak Mahal, Delhi, 2006

सेमेस्टर-०३: सप्तम पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
संस्कृत नाटक (अभिज्ञानशाकुन्तलम्, नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली)		
इकाई ०१:	अभिज्ञानशाकुन्तलम् : प्रथम, द्वितीय एवम् तृतीय अङ्क- अनुवाद, व्याख्या, नाट्यशास्त्रीय समीक्षा	२०
इकाई ०२:	अभिज्ञानशाकुन्तलम् : चतुर्थ एवं पञ्चम अङ्क-अनुवाद, व्याख्या, नाट्यशास्त्रीय समीक्षा	२०
इकाई ०३:	अभिज्ञानशाकुन्तलम् : षष्ठ एवं सप्तम अङ्क-अनुवाद, व्याख्या, नाट्यशास्त्रीय समीक्षा	२०
इकाई ०४:	नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली-रूपक, नाटक, नायक,नान्दी, सूत्रधार, प्रस्तावना, प्रवेशक, भरतवाक्य, विष्कम्भक, पताका, नेपथ्य, पञ्चसन्धि, कंचुकी, विदूषक, आकाशभाषित	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्व भारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर(वाराणसी)
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, सुबोधचन्द्र पन्त (व्या.), मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, सुरेन्द्र देव शास्त्री (व्या.), रामनारायण वेणी प्रसाद, इलाहाबाद
4. छन्दोऽलंकारसौरभम् , डॉ.सावित्री गुप्ता ,विद्यानिधि प्रकाशन ,दिल्ली,२०१५
5. Abhigyanshakuntalam, C.R. Devadhar (Ed.), Motilal Banarsidass, Delhi
6. Abhigyanshakuntalam, M.R. Kale (Ed.), Motilal Banarsidass, Delhi

सेमेस्टर-०४: अष्टम पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
आधुनिक संस्कृत साहित्य : पद्यकाव्य		
इकाई ०१:	पद्य- जानकी वल्लभ शास्त्री (भारतीयवसंतगीतिः, स्नेहगीतम्), प्रो० बच्चूलाल अवस्थी (शुकवृत्तम्), प्रो० रामकरण शर्मा (नूतने वत्सरे : श्लोक ०१-२०), प्रो०श्रीनिवास रथ (विज्ञाननौका,तदेव गगनं सैव धरा), प्रो० रेवा प्रसाद द्विवेदी (अहम् स्वतन्त्रः), प्रो०मिथिला प्रसाद त्रिपाठी (संस्कृत रचना), प्रो० हरिराम आचार्य (संकल्प गीतिः),डॉ. पुष्पा दीक्षित (नरास्ते के, ब्रूहि कोऽस्मिन् युगे कालिदासायते), प्रो०वेदकुमारी घई (कृषकश्रमिकभिक्षुकाः)	२०
इकाई ०२:	डॉ. रमाकांत शुक्ल (भाति मे भारतम्-१५ पद्यानि), प्रो०जगदीश प्रसाद सेमवाल (विडम्बना-विलास: पद्य १-४,९,१३,१६-१९,२१,२८,२९,३३,३६,३७), प्रो० हरिदत्त शर्मा (उलूकोत्त्थानम्), प्रो० सी. नारायण रेड्डी (प्रपञ्चपदी), प्रो० राधावल्लभ त्रि पाठी (धीवरगीतिः- प्रथमा एवं द्वितीया गीतिः), इच्छाराम द्विवेदी 'प्रणवः' (विलीयते, न शोभते), डॉ. बलराम शुक्ल (विडम्बना)	२०
इकाई ०३:	आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण (पद्यकाव्य)-भट्ट मथुरानाथ शास्त्री, पण्डिता क्षमाराव, जानकी वल्लभ शास्त्री, बच्चूलाल अवस्थी 'ज्ञान', एस.बी. वर्णेकर, जगन्नाथ पाठक, रामकरण शर्मा, वेद कुमारी घई, रामजी उपाध्याय, श्रीनिवास रथ, रेवा प्रसाद द्विवेदी, हरिराम आचार्य, कमलेश दत्त त्रिपाठी	२०
इकाई ०४	आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण (पद्यकाव्य) रसिक विहारी जोशी, सत्यव्रत शास्त्री, डॉ. कृष्णलाल, अभिराज राजेंद्र मिश्र, शिवजी उपाध्याय, पुष्पा दीक्षित, हरिदत्त शर्मा, रमाकान्त शुक्ल, राधावल्लभ त्रिपाठी, शंकर देव अवतरे, हर्षदेव माधव, परमानन्द झा एवं बलराम शुक्ल	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. आधुनिक संस्कृत साहित्य संचयन, डॉ. गिरीशचन्द्र पन्त (सम्पा.), विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, २००८
2. आधुनिक संस्कृत साहित्य, मैत्रेयी कुमारी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, २०१७
3. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य, राजमंगल यादव, जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, २०१५
4. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य, राजमंगल यादव, जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, २०१७
5. कल्पवल्ली (समकालीन संस्कृत काव्य संकलन), अभिराज राजेन्द्र मिश्र, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, २०१३
6. नवस्पन्दः, राधावल्लभ त्रिपाठी, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
7. तदेव गगनं सैव धरा (काव्य संग्रह), श्रीनिवास रथ, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
8. विंशशताब्दी-संस्कृत-काव्यामृतम्-भाग ०१ संकलन, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली
9. संस्कृत साहित्य:बींसवी शताब्दी, प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी , राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, १९९९
10. आधुनिक संस्कृत साहित्य, दयानन्द भार्गव, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, १९८७
11. आधुनिक संस्कृत साहित्य, हीरालाल शुक्ल, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद, १९७१
12. Sanskrit Dramas of the Twentieth Century, Satyavrat Usha, Mehar Chand Lachhamandas, Delhi 1987
13. परीवाहः, बलरामशुक्ल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, २०१६

सेमेस्टर-०६: नवम पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
	भारतीय वैज्ञानिक निधि	
इकाई ०१:	संस्कृत और मनोविज्ञान :भारतीय तत्व चिन्तन और मनोविज्ञान-भारतीय दार्शनिक एवं मनोवैज्ञानिक चिंतन धरा का प्रारम्भ ,सांख्यमनोविज्ञान, योगमनोविज्ञान ,न्याय-वैशेषिक दर्शन और मनोविज्ञान ,वेदांत दर्शन एवं मनोविज्ञान, जैन मनोविज्ञान, बौद्धमनोविज्ञान	२०
इकाई ०२:	इन्द्रियां और अंत:करण-चेतना-मानवशरीर (सूक्ष्म शरीर, मनोमय शरीर, कारण शरीर), इन्द्रियाँ (ज्ञानेन्द्रिय, कर्मेन्द्रिय, अंतःकरण), मन और प्राण, मन की अवस्थाएं, अनुभूतियाँ, वासना और संस्कार, चित्त और चित्तभूमियाँ (क्षिप्त, मूढावस्था, विक्षिप्त, एकाग्र, निरुद्ध), चित्तवृत्तियाँ, स्मृति, बुद्धि, अहंकार ज्ञान- ज्ञान की उत्पत्ति, प्रमा एवं अप्रमा योगांग एवं सिद्धियाँ-अष्टांगयोग (यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि)	२०
इकाई ०३:	वैदिक गणित- वैदिक गणित का इतिहास, वैदिक गणित के प्रमुख आचार्य स्वामी श्री भारतीकृष्णतीर्थ प्रतिपादित वैदिक गणित के सूत्र (सूत्र १-४)	२०
इकाई ०४:	वृक्ष आयुर्वेद – वराहमिहिर	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

१. सांख्यकारिका , ईश्वरकृष्ण
२. योगसूत्र ,पतंजलि
३. भारतीय मनोविज्ञान , डॉ श्रीमती लक्ष्मी शुक्ला ,ईस्टर्न बुक लिंकर्स ,दिल्ली,२००९.
४. महाभारत-भगवद्गीता , शांतिपर्व, गीताप्रेस, गोरखपुर

सेमेस्टर-०४: दशम पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
संस्कृत साहित्य का इतिहास		
इकाई ०१:	**पद्यकाव्य** : उपजीव्य काव्य-रामायण, महाभारत; महाकाव्य: कालिदास, अश्वघोष, भारवि, माघ, श्रीहर्ष; नीतिकाव्य: चाणक्य नीति, भर्तृहरि-शतकत्रय; गीतिकाव्य: मेघदूत, गीतगोविन्द	२०
इकाई ०२:	**गद्य तथा चम्पू काव्य** : सुबन्धु, बाणभट्ट, दण्डी, विश्वेश्वर पाण्डेय, अम्बिकादत्त व्यास, नलचम्पू, यशस्तिलक चम्पू	२०
इकाई ०३:	**रूपक :** भास, कालिदास, विशाखदत्त, शूद्रक, हर्षवर्धन, भट्टनारायण, भवभूति, राजेश्वर, क्षेमीश्वर, जयदेव	२०
इकाई ०४:	**कथासाहित्य :** बृहत्कथा, बृहत्कथामञ्जरी, कथासरित्सागर, पञ्चतन्त्र, हितोपदेश, बेतालपञ्चविंशति, विक्रमचरित, शुकसप्तति	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति, बलदेव उपाध्याय, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. History of Classical Sanskrit Literature, M. Krishnamachariar, Motilal Banarsidas, Delhi
7. History of Sanskrit Literature, A.B. Keith, Motilal Banarsidass, Delhi
8. Gaurinath Shastri, A Concise History of Sanskrit Literature, Motilal Banarsidas, Delhi
9. Maurice Winternitz, Indian Literature (Vol. I-III), Motilal Banarsidas, Delhi

सेमेस्टर-०४: एकादश पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
	संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना	
इकाई ०१:	**परिचय एवं भूमिका :** मानवसभ्यता में पर्यावरण की भूमिका, पर्यावरण-अर्थ एवं परिभाषा, पारिस्थितिकी , प्रकृति-विज्ञान, पर्यावरण के मुख्य घटक (जैव जगत, भौतिक पदार्थ, स्थूल तत्त्व, जैविक तत्त्व एवं सांस्कृतिक तत्त्व) , पर्यावरण की समसामयिक चुनौतियां, भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि , जलवायु परिवर्तन, ओज़ोन अवक्षय , प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि, भूगर्भ जल का ह्रास, नदी प्रदूषण, निर्वनीकरण , प्राकृतिक आपदाएं (बाढ़, भूकम्प), संस्कृत वाङ्मय में पर्यावरण की अवधारणा ('भू-माता' की अवधारणा, वेदों में नदियों की उपासना, प्राकृतिक शक्ति का संरक्षण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण के उपाय), पारिस्थितिकी तन्त्र, पशु-पक्षियों को लेकर बौद्ध एवं जैन मत	२०
इकाई ०२:	**वैदिक साहित्य में पर्यावरण की सङ्कल्पना :**पर्यावरण का आधिदैविक पक्ष, परिस्थितिकीय घटकों का समन्वय, 'ऋत' की सार्वभौमिक अवधारणा (ऋग्वेद-१०.८५.१), अथर्ववेद में पर्यावरण के तत्त्व (वृतावृत-१२.१.५२, अभिवराह-१.३२.४, अवृताह-१०.१.३०,परिवृत-१०.८.३१), पर्यावरण के सन्दर्भ में पञ्चतत्त्व की सङ्कल्पना (ऐतरेय उपनिषद् ३.३), 'छन्दांसि' की अवधारणा-जल, वायु,ओषधि (अथर्ववेद-१८.१.१७), जल के पञ्चमूलभूत रूप-दिव्याः,स्रवन्ति,खानित्रिमाः, स्वयंजाः, समुद्रार्ताः(ऋग्वेद-७.४९.२) **वैदिक साहित्य में पर्यावरण संरक्षण :** पर्यावरण संरक्षण के पञ्चस्रोत-पर्वत, सोम, वायु, पर्जन्य, अग्नि (अथर्ववेद-३.२१.१०), सूर्य द्वारा पर्यावरण संरक्षण (ऋग्वेद-१.१९१.१-१६, अथर्ववेद-२.३२.१-६, यजुर्वेद-४.४.,१०.६), सूर्यरश्मियों एवं ओषधियों के समन्वय से आयुष्यवर्द्धन (अथर्ववेद-५.२८.५), ओजोनपटल की वैदिक अवधारणा (ऋग्वेद-१०.५१.१, अथर्ववेद-४.२.८), भूमण्डलीय पारिस्थिकी के संरक्षण में वनस्पतियों एवं जन्तुओं का योगदान (यजुर्वेद-१३.३७), पर्यावरण के संरक्षण में जैविकतत्त्वों का योगदान-उपनीषदीयदृष्टि (बृहदारण्यक उपनिषद्-३.९.२८, तैत्तिरीय उपनिषद्-५.१०१, ईशावास्योपनिषद्-१.१)	२०
इकाई ०३:	**लौकिक संस्कृत साहित्य में पर्यावरण संरक्षण :** वृक्षारोपण से सम्बद्ध पर्यावरण की जागरूकता- वृक्षारोपण-एक धार्मिक कर्त्तव्य (मत्स्यपुराण-५९.१५९,१५३.५१२; वराहपुराण-१७२.३९), राजा द्वारा रोपित औषधीय वृक्ष (शुक्रनीति-४.५८-६२), राजा के कर्त्तव्य के रूप में नवीन वृक्षारोपण एवं पुराने का संरक्षण (अर्थशास्त्र-२.१.२०), वनस्पतियों को उजाड़ने के लिए दण्ड का विधान (अर्थशास्त्र ३.१९), भूजलसंरक्षण के लिए वृक्षारोपण (बृहत्संहिता ५४.११९) **पर्यावरण जागरूकता एवं जलसंरक्षण :** सिंचाई व्यवस्था-कुल्य, नदीमित्र, मुखकुल्य, पर्वतपार्श्व वर्तिनी कुल्य, जल के स्त्रोतों का संरक्षण- वापि,कूप, तड़ाग (अग्निपुराण-२०९.२, रामायण-२.८०.१०-११), जलसंरक्षण (अर्थशास्त्र-२.१.२०-२१), भूगर्भ जलविज्ञान (बृहत्संहिता-दकार्गालाध्याय-अध्याय ५४)	२०
इकाई ०४:	**कालिदास के साहित्य में पर्यावरण से सम्बद्ध सार्वभौमिक विषय :** पर्यावरण के आठ मूल सिद्धान्त-अष्टामूर्तिशिव (अभिज्ञानशाकुन्तलम् १/१), वन संरक्षण, जलसंरक्षण, प्राकृतिकस्त्रोत, पशु एवं पक्षी, अभिज्ञानशाकुन्तलम् में पर्यावरण संरक्षण, मेघदूत में भारतीय मानसून का सन्दर्भ, ऋतुसंहार में भारतीय उपमहाद्वीप की ऋतु-संबंधी चर्चा, कुमारसम्भव में हिमालय क्षेत्र की पारिस्थितिकी , रघुवंश (सर्ग १३) में समुद्र-विज्ञान	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. बृहत्संहिता, बलदेव प्रसाद मिश्र (हिन्दीअनुवाद), खेमराज श्रीकृष्णदास प्रकाशन, मुम्बई
2. शुक्रनीति, ब्रह्मशंकर मिश्र (हिन्दी अनुवाद), चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी १९६८

3. वाल्मीकिरामायण-भाग १-२, जानकी नाथ शर्मा (सम्पा.),गीता प्रेस, गोरखपुर
4. वेदों में भारतीय संस्कृति, आद्यादत्त ठाकुर, हिन्दी समिति, लखनऊ, १९६८
5. प्राचीन भारतीय शासनव्यवस्था और राजशास्त्र, विद्यालंकार सत्यकेतु, सरस्वती सदन, मैसूर,१९६८
6. विज्ञान और वेद, डी.डी. ओझा, साइंटिफिक पब्लिशर्स, जोधपुर, २००५
7. वेदों में विज्ञान, कपिलदेव द्विवेदी, विख्याति अनुसन्धान परिषद्, हरदोई, २००५
8. संस्कृतवाङ्मये कृषिविज्ञानम्, श्रीकृष्ण सेमवाल, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली, २००६
9. The Essence of Vedas, OP Dwivedi, Vishwa Bharati Research Institute, Gyanpur, Varanasi, 1990
10. Environmental Pollution and Control, PR Trivedi, APH Publishing Corporation, New Delhi 2004

सेमेस्टर-०६: द्वादश पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
भारतीय सामाजिक संस्थाएं एवं राजशास्त्र		
इकाई ०१:	भारतीय सामाजिक संस्थाएँ : परिभाषा एवं क्षेत्र, सामाजिक संस्थाएँ एवं धर्मशास्त्र साहित्य	२०
इकाई ०२:	वर्णव्यवस्था एवं जातिव्यवस्था, समाज में स्त्रियों की स्थिति, सामाजिक मूल्य	२०
इकाई ०३:	भारतीय राजतन्त्र : उत्पत्ति एवं विकास-वैदिककाल से बौद्धकाल पर्यन्त, कौटिल्य से महात्मा गाँधी पर्यन्त	२०
इकाई ०४:	भारतीय राजतन्त्र के प्रमुख विचारक एवं आधारभूत सिद्धान्त	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. कौटिलीय अर्थशास्त्र-भाग-०१ (संस्कृत मूल), आर.पी. कांगले (सम्पा.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, १९९७
2. कौटिलीय अर्थशास्त्र-भाग-०१, उदयवीर शास्त्री (हिन्दी अनुवाद), मेहरचन्द्र लछमन दास, दिल्ली १९६८
3. बृहत्संहिता, बलदेवप्रसाद मिश्र (हिन्दी अनुवाद), खेमराज श्रीकृष्ण दास, दिल्ली १९८७
4. मनुस्मृति, रामेश्वर भट्ट (हिन्दी अनुवाद), राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, २००३
5. याज्ञवल्क्यस्मृति (वीरमित्रोदय एवं मिताक्षरा टीका सहित), चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, संवत्, १९६८
6. शुक्रनीति, ब्रह्माशंकर मिश्र (हिन्दी अनुवाद), चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
7. इन्द्रकृत गांधीगीता, राजहंस प्रकाशन, दिल्ली
8. प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्थाएं (पृष्ठ सं. १-२३), कैलाश चन्द्र जैन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, १९७६
9. जैन संस्कृत महाकाव्यों में भारतीय समाज (पृष्ठ सं. १-२५), मोहन चन्द, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, १९८९
10. धर्मशास्त्र का इतिहास (भाग-०१ खण्ड ०२), पी.वी. काणे, हिन्दी अनुवाद अर्जुन चौबे कश्यप, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
11. प्राचीन भारत का आर्थिक एवं सामाजिक इतिहास(पृष्ठ सं. २३-७२), शिवस्वरुप सहाय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २०१२
12. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद और भारतीय राजशास्त्र (पृष्ठ सं. २०४-२५८), शशि तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन, २०१३
13. प्राचीन भारतीय राजनैतिक विचारक (पृष्ठ सं १४५-२५३), किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, १९८८
14. Teaching of Dharmashastra (pp 1-25), J.R. Gharpure, Lucknow University, Lucknow, 1956
15. Hindu Social Organisation(pp 257-283) , P.H. Prabhu, Popular Prakashan, Mumbai, 1998
16. State and Government in Ancient India (pp 1-25), A.S. Altekar, MLBD, Delhi, 1972

सेमेस्टर-०५: त्रयोदश पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
भारतीयदर्शनविमर्श(भारतीय दर्शन परिचय, तर्कसङ्ग्रह)		
इकाई ०१:	भारतीय दर्शन परिचय : न्यायदर्शन (ज्ञानमीमांसा, प्रमाण, कारणवाद, ईश्वर,तर्क), वैशेषिक (तत्त्वमीमांसा, सप्तपदार्थ, परमाणुवाद), सांख्य (कार्य-कारणवाद, प्रकृति, पुरुष, सर्ग, सृष्टिक्रम, बन्धनमोक्ष, ईश्वर), योग (चित्त और उसकी वृत्तियाँ, अष्टांगयोग, ईश्वर), पूर्वमीमांसा (सामान्य परिचय, अर्थापत्ति, अनुपलब्धि प्रमाण, धर्म की अवधारणा, प्रमाण्यवाद, ख्यातिवाद, तत्त्वमीमांसा), उत्तरमीमांसा (ब्रह्म, आत्मा, माया, मोक्ष)	२०
इकाई ०२:	चार्वाक् मत (ज्ञानमीमांसा, तत्त्वमीमांसा, आचारमीमांसा, चार्वाक् मत के स्रोत), बौद्धदर्शन (चार आर्यसत्य, अष्टांगिकमार्ग, प्रतीत्यसमुत्पाद, अनात्मवाद, निर्वाण), जैनदर्शन (अनेकान्तवाद, स्याद्वाद, ज्ञान, बन्धन, मोक्ष)	२०
इकाई ०३:	तर्कसङ्ग्रह : प्रमाण, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द	२०
इकाई ०४:	तर्कसङ्ग्रह : नवद्रव्य (पृथिवी, अप, तेज, वायु, आकाश, काल, दिक्, आत्मन), पदार्थ (द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय, अभाव)	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

१. सर्वदर्शनसंग्रह , माधवाचार्य , प्रो. उमाशंकर शर्मा 'ऋषि '(व्या.), चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी,२०१४
२. भारतीय दर्शन ,वाचस्पति गैरोला ,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, १९८३
३. भारतीय दर्शन, चक्रधर शर्मा
४. भारतीय धर्म एवं दर्शन, बलदेव उपाध्याय ,चौखम्बा ओरियंटालिया, वाराणसी
५. तर्कसंग्रह , अन्नं भट्ट (दीपिका एवं न्यायबोधिनी टीका),मुंबई ,१९३०
६. तर्कसंग्रह, नरेन्द्रकुमार (संपा), हंसा प्रकाशन, जयपुर
७. तर्कसंग्रह, पंकज कुमार मिश्र (व्या.),परिमल पब्लिकेशन,दिल्ली २००१
८. भारतीय दर्शन, पारसनाथ द्विवेदी , आगरा , १९७४
९. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा , मोतीलाल बनारसीदास , दिल्ली
१०. M. Hiriyanna, Outline of Indian Philosophy, London, 1956
११. Radhakrishnan, N.- Indian Philosophy, Oxford University Press, Delhi,1990
१२. Dasgupta S.N., History of Indian Philosophy, Cambridge University Press, Cambridge
१३. Chatterjee, S.C. & Dutta D.M.- Introduction of Indian Philosophy, Culcutta
१४. Pandey R.C.- Panorama of Indian Philosophy, MLBD, Delhi,1966
१५. Shrma Rammurti, Advaita Vedanta, Estern Book Linkars, Delhi, 1998

सेमेस्टर-०५ : चतुर्दश पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
निबन्ध, अनुवाद, छन्द, रचनात्मक लेखन		
इकाई ०१:	**अनुवाद**- हिन्दी/अंग्रेजी से संस्कृत में, संस्कृत से हिन्दी/अंग्रेजी में	२०
इकाई ०२:	निबन्ध लेखन : सामाजिक,राजनैतिक ,सांस्कृतिक , समसामयिक विषयों पर	२०
इकाई ०३:	अनुच्छेद लेखन, प्रश्नोत्तर और पत्र लेखन	२०
इकाई ०४:	छन्द, संस्कृत छन्दों का सामान्य परिचय-अनुष्टुप, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, मन्दाक्रान्ता, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, स्त्रग्धरा, शार्दूलविक्रीडित, भुनजंगप्रयात, छन्द रचना/समस्यापूर्ति	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

१. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर नौटियाल 'हंस', मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.

२. प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

३. वाद: खण्ड १ एवं २, मुक्त स्वाध्याय पीठंम्, राष्ट्रियसंस्कृत संस्थानम्, नयी दिल्ली, २०१५

४. रचनाअनुवाद कला अथवा वाग्व्यवाहारादार्ष , मोतीलाल बनारसीदास , दिल्ली

५. संस्कृत निबंध शतकम् , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी

६. संस्कृत निबंधावली, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

७. संस्कृत छंदों का उद्भव और विकास , आचार्य रामकिशोर मिश्र, ज्ञान प्रकाशन मेरठ ,२००२

८. छंद:कोरकम् , आचार्य विद्यानंद मुद्गल ,रामपुर, उ०प्र०,१९७७

९. छन्दो Sलंकारसौरभम् , डॉ.सावित्री गुप्ता ,विद्यानिधि प्रकाशन ,दिल्ली,२०१५

१०. The Students Gide To sanskrit Composition, V.S. Apte, Chaukhmba Sanskrit Series Office, Varanasi

११. Higher Sanskrit Grammar , M. R. Kale, MLBD, Delhi

सेमेस्टर-०५: पञ्चदश पत्र (विकल्प ०१) आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क		
संस्कृत रङ्गमञ्च		
इकाई ०१:	**रङ्गमञ्च-प्रकार एवं संरचना** : रङ्गमञ्च के प्रकार (विकृष्ट, चतुरस्र, त्र्यस्र,ज्येष्ठ,मध्यम ,अवर), भूमिशोधन, माप, मत्तवारणी, रङ्गपीठ, रङ्गशीर्ष,दारूकर्म,नेपथ्यगृह,प्रेक्षोपवेश,प्रवेश एवं निकास के द्वार	२०
इकाई ०२:	**नाटक-**नाटक की परिभाषा एवं प्रकार (दृश्य,रूप, रूपक), अभिनय (आंगिक,वाचिक,सात्त्विक,आहार्य) **वस्तु-**आधिकारिक, प्रासंगिक,अर्थप्रकृति के पाँचप्रकार, कार्यावस्था, सन्धि, अर्थोपक्षेपक, संभाषण के प्रकार (सर्वश्राव्य/प्रकाश, अश्राव्य/स्वगत, नियतश्राव्य-जनान्तिक, अपवारित, आकाशभाषित)	२०
इकाई ०३:	**नेता-**अभिनेता के चार प्रकार, अभिनेत्री के तीन प्रकार, सूत्रधार, परिपार्श्विक, विदूषक, कंचुकी, प्रतिनायक **रस**-परिभाषा एवं घटक, रसनिष्पत्ति के अवयव-भाव,विभाव,अनुभाव,सात्त्विकभाव, स्थायीभाव, व्यभिचारीभाव, स्वाद, मानसिक अवस्थाओं के चार प्रकार-विकास,विस्तार,क्षोभ,विक्षेप	२०
इकाई ०४:	**भारतीय रङ्गमञ्च का इतिहास एवं परम्परा** : विभिन्न काल में रङ्गमञ्च का उद्भव एवं विकास-प्रागैतिहासिक,वैदिककाल,पौराणिक काल, राजसभा के रङ्गमञ्च, मन्दिर के रङ्गमञ्च, खुला रङ्गमञ्च,आधुनिक रङ्गमञ्च, लोक रङ्गमञ्च, वाणिज्य रङ्गमञ्च, राष्ट्रिय एवं राज्य स्तरीय रङ्गमञ्च	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. नाट्यशास्त्र (प्रथम,द्वितीय एवं षष्ठ अध्याय), ब्रजमोहन चतुर्वेदी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, २०१४
2. नाट्यशास्त्र, रविशंकर नागर (सम्पा.), परिमल पब्लिकेशंस, दिल्ली
3. भारतीय नाट्यशास्त्र और आज का रंगमंच, विश्वनाथ मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, २००५
4. नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली, १९६३
5. भारतीय नाट्यशास्त्र की परम्परा और विश्वरंगमंच, राधावल्लभ त्रिपाठी ,प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, १९९९
6. संक्षिप्त नाट्यशास्त्र, राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, २००८
7. नाटक और रंगमंच, सीताराम झा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, १९८१
8. भरतकालीन कलाएं, भारतेन्दु मिश्र, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, २००४
9. भारतीय नाट्य स्वरूप और परम्परा, राधावल्लभ त्रिपाठी, हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, १९८८
10. भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनयदर्पण, वाचस्पति गैरोला, इलाहाबाद, १९६७
11. दशरूपकम्-धनिक धनञ्जय, हिन्दी टीका सहित, रामजी उपाध्याय, भारतीय संस्कृति संस्थान, इलाहाबाद, १९७९
12. Natyashastra of Bharatmuni (Vol. 01), MM Ghosh, Manisha Granthalaya, Calcutta, 1967
13. Indian Theater: Traditions of Performance (Vol. 01), MLBD, Delhi, 2007
14. The Dasharoopak: A Treatise on Hindu Dramaturgy, Hass, Colambia University, New York, 1912

सेमेस्टर-०५: पञ्चदश पत्र (विकल्प ०२) आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क		
संस्कृत पत्रकारिता		
इकाई ०१:	संस्कृत पत्रकारिता का उद्भव और विकास	२०
इकाई ०२:	सम्पादक और सम्पादन के सिद्धांत	२०
इकाई ०३:	आधुनिक संस्कृत पत्रकारिता: समस्या और समाधान	२०
इकाई ०४:	आकाशवाणी और दूरदर्शन में संस्कृत वार्ता	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. पत्रकारितायाः परिचयः इतिहासश्च, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली
2. संस्कृतपत्रकारितायाः स्वरूपं महत्वं च, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली
3. संस्कृतपत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

सेमेस्टर-०५: पञ्चदश पत्र (विकल्प ०३) आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क		
भाषाविज्ञान		
इकाई ०१:	भाषा की परिभाषा , स्वरूप एवं भाषा कि उत्पत्ति के सिद्धान्त	२०
इकाई ०२:	भारतीय भाषा, लिपियाँ तथा भारोपीय भाषा परिवार	२०
इकाई ०३:	ध्वनि विज्ञान , रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान	२०
इकाई ०४:	संस्कृत का आधुनिक भाषाविज्ञान में योगदान	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. भाषाविज्ञान –कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
2. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी , किताब महल ,इलाहांबाद , १९९२.
3. तुलनात्मक भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली,१९७४
4. भाषाविज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी. ज्ञानमंडल लिमिटेड वाराणसी
5. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, विश्वविद्यालय प्रकाशन ट्रस्ट ,वाराणसी
6. सामान्य भाषाविज्ञान, बाबुराम सक्सेना ,हिन्दी साहित्य सम्मलेन,प्रयाग, उ.प्र.
7. Linguistic Introduction to Sanskrit, V.K. Ghosh, Sanskrit Pustak, Calcutta
8. An Introduction to Sanskrit Linguistics, M. Shreeman Narayan Moorthy, VK Publication, Delhi, 1984
9. Elements of Science of Language, Taraporewala, Calcutta University Press, Calcutta, 1962

सेमेस्टर-०४: षोडश पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
आधुनिक संस्कृत साहित्य : गद्यकाव्य एवं नाटक		
इकाई ०१:	आधुनिक संस्कृत गद्यकाव्य एवं नाटक : प्रो०राजेन्द्र मिश्र (शतपर्विका), प्रो. भागीरथी नन्द (वक्रसरलता , पं. मदन मोहन झा (मालाकार:)	२०
इकाई ०२:	नाटक- घनश्याम माणिकलाल त्रिवेदी (अर्थो हि पुत्रःपरकीय एव), प्रो० वि. राघवन (अनार्कली)	२०
इकाई ०३:	आधुनिक संस्कृत गद्य काव्य का सर्वेक्षण : पंडित अम्बिकादत्त व्यास ,पंडिता क्षमाराव , रामजी उपाध्याय , रामकरण शर्मा , अभिराज राजेंद्र मिश्र , रेवा प्रसाद द्विवेदी , अच्युतानंद दास , ब्रह्ममित्र अवस्थी , प्रशस्य मित्र शास्त्री , केशव चन्द्र दास , राधावल्लभ त्रिपाठी , वासुदेव शास्त्री वागवाडीकर , हरिनारायण दिक्षित , वनमाली विश्वाल	२०
इकाई ०४:	आधुनिक संस्कृत नाटकों का सर्वेक्षण: महालिंग शास्त्री,श्रीनिवास शास्त्री, हरिदास सिद्धान्त वागीश , मूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक ,मथुरानाथ दीक्षित ,रमानाथ मिश्र ,विष्णुपद भट्टाचार्य,लीलाराव दयाल ,यतीन्द्र बिमल चौधुरी ,वीरेन्द्रकुमार भट्टाचार्य,ओगेटी परीक्षित शर्मा,वीणापाणी पाटनी,परशुराम नारायण पाटनकर, वेंकट राघवन,	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. वक्रसरलता, भागीरथी नन्द , संस्कृत प्रतिभा, उन्मेष -५४ ,जनवरी –मार्च २०
2. मालाकार:(कथा संग्रह:) , पं. मदन मोहन झा , (संपा.मोहन भारद्वाज) बिहार राज्य संस्कृत अकादमी,पटना २०१३ .
3. आधुनिक संस्कृत साहित्य संचयन, डॉ. गिरीशचन्द्र पन्त (सम्पा.), विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, २००८
4. आधुनिक संस्कृत साहित्य, मैत्रेयी कुमारी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, २०१७
5. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य, राजमंगल यादव, जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, २०१५
6. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य, राजमंगल यादव, जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, २०१७
7. विंशशताब्दी-संस्कृत-काव्यामृतम्-भाग ०१ (संकलन, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली
8. संस्कृत साहित्य:बींसवी शताब्दी, प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी , राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, १९९९
9. आधुनिक संस्कृत साहित्य, दयानन्द भार्गव, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, १९८७
10. आधुनिक संस्कृत साहित्य, हीरालाल शुक्ल, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद, १९७१
11. Sanskrit Dramas of the Twentieth Century, Satyavrat Usha, Mehar Chand Lachnandas, Delhi 1987.

सेमेस्टर-०६: सप्तदश पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
भारतीय पुरालिपि एवं अभिलेखशास्त्र		
इकाई ०१:	**भारतीय पुरालिपि** का परिचय एवं अभिलेखशास्त्र के प्रकार, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के पुनर्निमाण में अभिलेखशास्त्र की भूमिका, भारत में अभिलेखशास्त्र का इतिहास, भारत में अभिलेखशास्त्र के अध्ययन की परम्परा, पुरालिपि के क्षेत्र में विद्वानों का योगदान - फ्लीट, कर्निंघम,प्रिन्सेप, बुह्लर, ओझा, सरकार	२०
इकाई ०२:	**अभिलेखशास्त्र**: लेखन शास्त्र की प्राचीन परम्परा, लेखन के उपकरण, प्राचीन लेखन सामग्री एवं पुस्तकालय, प्राचीन लिपियों का परिचय	२०
इकाई ०३:	**प्रमुख अभिलेखों का अध्ययन** : अशोक का गिरनार आज्ञापत्र शिला-१, अशोक के सारनाथ स्तम्भ का आज्ञापत्र, रुद्रदामन का गिरनार आज्ञापत्र, समुद्रगुप्त का ईरन अभिलेख, मेहरौली लौहस्तम्भ का चन्द्र-अभिलेख, बिशालदेव का दिल्ली-टोपरा आज्ञापत्र	२०
इकाई ०४	प्राचीन भारतीय कालक्रम का परिचय, अभिलेखों का तिथि निर्धारण (क्रोनोग्राम), अभिलेखशास्त्र में प्रयुक्त मुख्य संवत् (विक्रम संवत्, शक संवत्, गुप्त काल)	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. अभिलेख मंजूषा, रणजीत सिंह सैनी, न्यू भारतीय बुक कार्पोरेशन, दिल्ली, २०००
2. उत्कीर्णलेखनपञ्चकम्, झा बन्धु, वाराणसी, १९६८
3. उत्कीर्णलेखस्तबकम्, जियालाल कम्बोज, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
4. भारतीयअभिलेख, एस.एस. राणा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, १९७८
5. भारतीय प्राचीन लिपिमाला, गौरीशंकरहीराचंद ओझा, अजमेर, १९१८
6. प्राचीन भारतीय लिपिशास्त्र और अभिलेखिकी, अवधकिशोर एवं ठाकुरप्रसाद वर्मा, वाराणसी, १९७०
7. भारतीय पुरालिपि, राजबली पाण्डेय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहबाद, १९७८
8. भारतीय पुरालिपिशास्त्र, मंगलनाथ सिंह (हिन्दी अनुवाद), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, १९६६
9. अक्षरकथा, गुणाकर मुले, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार दिल्ली २००३
10. लेखनकला का इतिहास (खण्ड १-२), ईश्वरचन्द राही, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, १९८३
11. भारतीय पुरालिपिविद्या, मूल-डी.सी. सरकार-हिन्दी अनु. कृष्ण दत्त बाजपेयी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली १९९६
12. Selected Inscriptions (Vol. 01-02), D.C. Sarkar, Calcutta, 1965

सेमेस्टर-०५: अष्टादश पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
	वैदिकसाहित्य	
इकाई ०१:	अग्नि सूक्त (ऋग्वेद-१.१), इन्द्र सूक्त (ऋग्वेद-१.३२), पुरुष सूक्त (ऋग्वेद-१०.९०), नासदीय सूक्त (ऋग्वेद-१०.१२९) : देवता विषयक टिपण्णी, संहिता पाठ, पदपाठ, अन्वय, सरलार्थ, सायणभाष्य, व्यकाराणात्मक टिप्पणी	२०
इकाई ०२:	शिवसंकल्पसूक्त (यजुर्वेद ३४.१-६), भूमिसूक्त (१२.१-१२ , सामनस्य ३.३० , वरुण सूक्त (अथर्ववेद) : देवता विषयक टिप्पणी, संहिता पाठ, पदपाठ, अन्वय, सरलार्थ, सायणभाष्य, व्याकरणात्मक टिप्पणी	२०
इकाई ०३:	कठोपनिषद् : अनुवाद, व्याख्या, विषयपरक दीर्घ समालोचना एवं शिक्षा	२०
इकाई ०४:	वैदिक साहित्य का संक्षिप्त सर्वेक्षण : संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदाङ्ग	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

१ वैदिक संग्रह ,डॉ०कृष्णलाल,ईस्टर्न बुक लिंकर्स ,दिल्ली

२ वेदवल्लरी, पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली

३ वेदचयनम् , चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

४ कठोपनिषद् शांकरभाष्य सहित , हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद सहित (अनुवादक–डॉ. राम रंग शर्मा एवं मालती शर्मा), भारतीय विद्या प्रकाशन ,वाराणसी, दिल्ली १९९५

५ वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , आचार्य बलदेव उपाध्याय

सेमेस्टर-०६: एकोनविंश पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
संस्कृतसाहित्यशास्त्रएवं समालोचना		
इकाई ०१:	काव्यदीपिका-प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय शिखा : काव्यप्रयोजन, काव्यलक्षण, वाक्यस्वरुप, पदस्वरुप, शब्दविभाग, अर्थविभाग, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, ध्वनि एवं उसके भेद, रसस्वरुप और भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्रकाव्य	२०
इकाई ०२:	काव्यदीपिका- चतुर्थ,पञ्चम एवं षष्ठ शिखा : काव्यभेद, दृश्य एवं श्रव्य, नायक के लक्षण, अंगलक्षण, पूर्वरंग, प्रस्तावना, कथोद्घात, प्रयोगिताशय लक्षण, प्रवृत्तलक्षण, अवगलित, पताकास्थानक, अर्थोपक्षेपक, संधियाँ, महाकाव्य एवं खण्डकाव्य लक्षण, गद्यलक्षण, चम्पूलक्षण, दोषस्वरूप, पदगत, वाक्यगत दोष, अर्थदोष, रसदोष, गुणस्वरूप, माधुर्य, ओज, प्रसाद	२०
इकाई ०३:	काव्यदीपिका- सप्तम शिखा एवं अष्टम शिखा : रीति और उसके भेद, अलंकार-स्वरूप, शब्दालंकार (अनुप्रास, यमक, श्लेष), अर्थालंकार (स्वभावोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, व्यतिरेक, निदर्शना, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, तुल्ययोगिता, दीपक, सन्देह, भ्रान्तिमान, अपह्नुति, समासोक्ति)	२०
इकाई ०४:	समालोचना : काव्यशास्त्र के षट् सम्प्रदाय एवं उनके विभाजन का आधार	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. काव्यदीपिका, विद्यारत्न कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, वाराणसी,पटना, १९६८
2. अलंकारशास्त्र की परम्परा, राजहंस सहाय 'हीरा', चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. भारतीय आलोचना शास्त्र, राजवंस सहाय 'हीरा', बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
4. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, पी. वी. काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
5. संस्कृत आलोचना, बलदेव उपाध्याय, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, १९६३
6. History of Sanskrit Poetics, S.K. De, K.L. Farma, Calcutta
7. History of Sanskrit Poetics, P.V. Kane, Motilal Banarasidas, Delhi

सेमेस्टर-०६: विंश पत्र (विकल्प ०१) आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क		
संस्कृत साहित्य में तकनीकी विज्ञान		
इकाई ०१:	भारतीय ज्योतिर्गणना के आधारभूत सिद्धांत : (ज्योतिषचन्द्रिका के आधार पर)	२०
इकाई ०२:	भारतीय वास्तुविद्या के आधारभूत सिद्धांत : (बृहदसंहिता-वास्तु विद्याध्याय के आधार पर)	२०
इकाई ०३:	आयुर्वेद के आधारभूत सिद्धांत : (चरक संहिता के आधार पर)	२०
इकाई ०४:	योगविद्या के आधारभूत सिद्धांत : अष्टाङ्ग योग (पातंजल योगसूत्र के आधार पर)	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. ज्योतिषचन्द्रिका, रेवती रमण शर्मा
2. ज्योतिषचन्द्रिका, रेवती रमण शर्मा, कान्ता भाटिया (सम्पा), भारतीय बुक कार्पोरेशन, दिल्ली
3. ज्योतिष के आधारभूततत्त्व एवं ज्योतिषचन्द्रिका, गिरीश चन्द्र पन्त, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, २०१६
4. भारतीय ज्योतिष , नेमिचन्द शास्त्री, भारतीय विद्यापीठ, नई दिल्ली
5. बृहत्संहिता, वराहमिहिर, अच्युतानन्द झा (व्या.) चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6. भारतीय ज्योतिष परिचय, सर्व नारायण झा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
7. भारतीय वास्तुशास्त्र , शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, २००४
8. भुवनभास्कर, गीता प्रेस, गोरखपुर
9. पातंजलयोगसूत्र, गीता प्रेस, गोरखपुर
10. योगानुशासनप्रकाश:,प्रो. जगदीश प्रसाद सेमवाल ,(संपा.) डॉ.वेदप्रकाश डिंडोरिया , परिमल पब्लिकेशन,दिल्ली,२०१६.
11. चरक संहिता,
12. आयुर्वेद का बृहद् इतिहास, अत्रिदेव विद्यालंकार, उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, १९९१
13. वृहद्वास्तुमाला, रामनिहोर द्विवेदी, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी (सम्पा.), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
14. Vaastushatra: Hindu Science of Architecture (Vols. 01-02), D.N. Shukla, Shukla Printig Press, Lucknow, 1960

सेमेस्टर-०६: विंश पत्र (विकल्प ०२) आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क		
फ़ारसी एवं संस्कृत का अन्तःसम्बन्ध		
इकाई ०१:	भारत में मुग़ल कालीन शिक्षा व्यवस्था , मुग़ल शासकों द्वारा संस्कृत शिक्षा के संवर्धन हेतु किये गए प्रयास	२०
इकाई ०२:	संस्कृत तथा फ़ारसी का अंत:सम्बन्ध , फ़ारसी में संस्कृत के उत्कृष्ट कार्य (कलिलक-वा-बिमनक, अथर्ववेद-मुल्लाबदायूंनी, ५२ उपनिषद्- दाराशिकोह, भगवद्गीता (अबुल फ़जल, फैजी, दाराशिकोह, अब्बास शुस्त्री, संतप्रसाद मदहोश), ब्रह्सूत्रशांकरभाष्य-लक्ष्मीनारायण,	२०
इकाई ०३:	फ़ारसी में संस्कृत के उत्कृष्ट कार्य : रामायण (अल-बेरूनी, नेह नारायण, चन्द्रा मान, माखन लाल, देवी दास, अमर सिंह, अमानत राय, अनानघान, मोहरसिंह, मिश्ररामदास), महाभारत (अलबेरुनी, अबुल फ़जल, फैजी, मुल्लाबदायूंनी और ज़ामुल अबेदीन), योगवाशिष्ठ-दाराशिकोह, भागवतपुराण-(राजाटोडरमल, लक्ष्मीनारायण सरुर)	२०
इकाई ०४:	फ़ारसी में संस्कृत के उत्कृष्ट कार्य : राजतरंगिणी –नारायण कौल, नलदमन और लीलावती-फैजी ,आत्म विलास –ब्राह्मिन, भक्तमाला-नौनित राम और नाथन लाल ,नरसिंह चरित्र-राय शिवप्रसाद,शंकरदिग्विजय – लक्ष्मी नारायण ,अमर चरित-रामप्रसाद ,पंचतंत्र एवं शकुंतला-डॉ इंदु शेखर , विक्रमोर्वशीयम् –डॉ. एस. एच ए . आबिदी	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. संस्कृतसाहित्य को इस्लाम परंपरा का योगदान (सम्पा.), राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत परिषद्, सागर, 1986
2. उर्दू शायरी में गीता, अनवर जलालपुरी, लखनऊ
3. The Sanskrit, Syriac and Persian Sources in the Comprehensive Book of Rhazes, Oliver Kahl, University of Marburg
4. Descriptive Catalogue of Persian Translation of Indian Works, Prof. Sharif Husain Qasmi (Ed.), National Manuscripts Mission, New Delhi, 2013

सेमेस्टर-०६: विंश पत्र (विकल्प ०३) आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क		
सङ्गणकीय संस्कृत		
इकाई ०१:	परिचय: सङ्गणक की भाषा एवं सम्प्रेषण, भाषाओं के स्तर, लिप्यंतरण के नियम	१५
इकाई ०२:	संरचना एवं संघटन: संचालक तन्त्र (Operating System)-विण्डो एक्स. पी., विण्डो 2007, विण्डो 2008	२०
इकाई ०३:	माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के उपकरण (MS Office Tools), अन्तर्जाल-प्रयोग (Use of Internet)	२०
इकाई ०४:	एचटीएमएल, प्रोग्रामिंग-भाषा, स्क्रिप्ट-भाषा, सूचनातन्त्र	२०

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. Computer Processing of Nominal Inflections in Sanskrit: Methods and Implementations, Subhash Chandra and, GN Jha, CSP, UK, 2012
2. NLP in Prolog, Gazdar G. and C. Mellish Wokhingham: Addison Wesley, 1989.
3. Computational Linguistics: An introduction, R Grishman, Cambridge University Press, 1986
4. Sanskrit Computational Linguistics, Girish Nath Jha (ed.), Springer. Verlag, Germany, 2010
5. MS Windows XP/2007/2008 Manual